SECOND TERM SUMMATIVE ASSESSMENT
STD IX HINDI -ANSWER KEY

01 . ख) तुम्हारा

02 . भाई बहन अपना घर जान चाहते हैं क्योंकि उन्हें अपने माता-पिता और घर की बहुत याद आती है। वे उनसे मिलना चाहते हैं।

3. पटकथा

घर, पेड़ और तारे की याद

स्थानः अभिभावक के घर के अंदर
समयः शाम
पात्र : 1 अभिभावक , उम्र - 45 , वेश - कुर्ता और धोती

2 भाई , उम्र 14 , वेश - टी-शर्ट और जींस

3 बहन , उम्र 12 , वेश- फ्रॉक

प्रसंगः (भाई-बहन अपने माता-पिता के पास जाने के लिए बेताब हैं, इसलिए वे अपने अभिभावकों से अनुमति मांगते हैं।)

संवाद :

भाई :हम अपने घर जाना चाहते हैं।
बहनः क्या आप हमें जाने देंगे?
अभिभावकः पता है तुम्हारा घर यहाँ से कितनी दूर है?
भाईः हाँ पता है ।
अभिभावकः कैसे पहुंचोगे ?

भाई बहन एक साथः हम किसी तरह पहूँ जाएँगे , भले ही इसके बहुत दिन लग जाएँ।
अथवा
3 *लड़की की डायरी*

2025 जनवरी 10 मंगलवार
आज मन बेचैन है।क्या घर जाने की प्रबल इच्छा के कारण ही हमने अपने अभिभावकों से अनुमति मांगी थी?लेकिन वे इसे समझ नहीं पाए। उन्होंने हमसे कई सवाल पूछे, जैसे, "क्या यहां कोई दोस्त नहीं है, क्या खाना नहीं है, क्या अच्छा गद्दा नहीं है?", जिससे हमें असहज महसूस हुआ। फिनलैंड में हालात सामान्य होने की खबर सुनकर हमने जाने की अनुमति मांगी। लेकिन क्या आपको रास्ता पता है, या अपने माता-पिता को देखकर आप समझ पाएंगे? क्या आपको पता है कि यात्रा कितनी लंबी है? उन्होंने हमसे ये सब पूछे बिना हमें जाने नहीं दिया।मुझे और मेरे भाई को रात को नींद नहीं आती। जब हम सोने जाते हैं, तो हमें घर, और अपने माता-पिता की याद आती है।हमें किसी भी तरह यहां से निकलना होगा। हम कोई न कोई रास्ता ज़रूर निकालेंगे।

4. ख) मुँह से आवाज़ न निकलना

5. क्योंकि श्रीमती शांतिदास छिपकली को देखते ही चिल्लाती थीं । मुझे भागती थीं।

6. छिपकली: अरे गिरगिट!
गिरगिटः हाँ ,बताइए ।
छिपकली: सच कहूँ तो पहले मैं श्रीमती शांतिदास के घर रहती थी।
गिरगिट: हाँ? फिर क्या हुआ?

छिपकली: वह मुझे देखते ही चिल्लाने लगती थीं– "उईईई! सुशांतो जल्दी आओ, इसे भगाओ!"
।
गिरगिट: (आह भरते हुए) लोगों की यही आदत है, जो हम जैसे कीड़े से डर जाते हैं।

छिपकली: मैं वहाँ एक हफ्ता भी नहीं टिक सकी।
गिरगिट: लेकिन याद रखो, दुनिया में अच्छे लोग भी होते हैं।

छिपकली: ज़रूर श्रीमान फरहाद भले आदमी है।
गिरगिट : ठीक है।
छिपकली: हाँ, भले लोगों को भले लोग ज़रूर मिलते हैं।

7 . माउण्टबेटन की पत्नी तैयारी करेगी ।

8. कूलर को बंद करने को कहकर गाँधीजी वायसरॉय को यही संदेश देना चाहते थे कि,ठंडे कमरों में बैठकर हिंदुस्तान पर हुकूमत नहीं की जा सकेगी।

9. *मित्र के नाम गाँधीजी का पत्र*
स्थान
दिनांक
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्कार।

आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न हो। आज मैं तुम्हें वायसरॉय भवन में आयोजित चाय पार्टी के अपने अनुभव के बारे में लिख रहा हूँ।
जब वायसरॉय ने मुझे चाय पर आमंत्रित किया, तो मैं अपने साधारण वस्त्रों में ही वहाँ पहुँचा। हमें हार्दिक स्वागत मिला।
वायसरॉय भवन की यात्रा रेलगाड़ी में थी। यात्रा करते समय मेरी प्यारी घड़ी चोरी चली गई थी। उसपर मैं अफसोस में पड़ गया था । मैंने इस विषय को बढ़ा - चढ़ाकर वायसरॉय के सामने पेश किया क्योंकि मुझे यह आशय जताना था कि जिस ब्रिटीश राज्य का दुनिया के सामने इतने ढोल पीटते हो और गुण गाते हो उसमें मेरी पुरानी घड़ी भी सुरक्षित नहीं
मैं अपने साथ अपना नाश्ता भी ले गया। यह मेरा स्वभाव है कि मैं सादगी और आत्मसम्मान को सबसे ऊपर रखता हूँ। हम भारतीय अपनी मेहनत का फल खाते हैं न ?

मुझे वहीं एक ठंडे कमरे में बिठा दिया। वह बहुत असहज लग रहा था। मैंने रूम कूलर को बंद कर दिया। इससे मैं सही संदेश देना चाहता कि ठंडे कमरों में बैठकर हिंदुस्तान पर हुकूमत नही की जा सकेगी ।

सभी लोग मेरे व्यवहार को आश्चर्य और विचित्रता से देख रहे थे।
माँ - बाप का मेरा प्रणाम।
जवाब की प्रतीक्षा रहेगी।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
मोहनदास करमचंद गाँधी

सेवा में
राकेश शर्मा
पता
.....

अथवा
लघु लेख

महात्मा गाँधी भारत के महान नेता और स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख मार्गदर्शक थे। उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल, सच्चा और प्रेरणादायक था। वे सादा जीवन और उच्च विचार में विश्वास रखते थे। उनके पहनावे, खान-पान और रहन-सहन में सादगी स्पष्ट दिखाई देती थी। नाश्ता उनकी सहगी प्रकट करती है।

निष्ठापूर्ण जीवन शैली उनकी सबसे बड़ी विशेषता है। "मैं रोज़ सोने के पहले नियम से घड़ी में चाबी भरता था " । यह कथन छोटे कार्यों में गाँधीजी की निष्ठता का प्रमाण हैं।

गाँधीजी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वे मानते थे कि सत्य के मार्ग पर चलकर ही स्थायी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

गाँधीजी निडर और आत्मसम्मानी व्यक्ति थे। बड़े से बड़े पदाधिकारी के सामने भी वे बिना भय के अपनी बात रखते थे। वायसरॉय भवन की चाय पार्टी में उनका अपना नाश्ता साथ ले जाना उनके आत्मसम्मान और सिद्धांतों का प्रतीक है।

उन्होंने देशवासियों को अनुशासन, स्वावलंबन और देशप्रेम का पाठ पढ़ाया। वास्तव में गाँधीजी का व्यक्तित्व आज भी हमें सच्चाई, सादगी और साहस के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है ।

10. ख) पेले सुंदर फुटबॉल खेलते थे।
11 . पेले के हुनर और मुस्कान ने उन्हें लोगों के दिलों में जगह दिला दी।
12. *पोस्टर*
⚽ पेले स्मृति दिवस ⚽🏆

29 दिसंबर 2025

विशेष फुटबॉल मैच

बी. वी. एम. हाइ स्कूल मैदान में

विश्व फुटबॉल के महान खिलाड़ी /
फुटबॉल के दिल के राजा पेले की स्मृति में एक रोमांचक फुटबॉल मुकाबले का आयोजन

🎖️ उद्घाटन🎖️
🇮🇳 आई. एम. विजयन
(प्रसिद्ध भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी)

👉 सभी का हार्दिक स्वागत

अथवा

🌎🏃‍♀️ विश्व स्वास्थ्य दिवस समारोह🏃‍♀️🌎

07 अप्रैल 2025

✨ "खेलकूद स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है"✨

खेलो बच्चो खेलो ,।शरीर को स्वस्थ और मज़बूत बनाओ ।
✔️ मन को प्रसन्न और तनावमुक्त रखो ।

🌱 स्वस्थ शरीर — स्वस्थ मन 🌱

13 . दुनिया भर के शोषित लोगों की स्थिति एक जैसी है।
14 . एशिया की , यूरोप की, अमेरिका की
गलियों की धूप एक ।

15. *कविता की पंक्तियों का आशय*
प्रस्तुत पंक्तियाँ *जन-जन का चेहरा एक* शीर्षक कविता से ली गई है जिसके रचयिता कवि गजानन माधव मुक्तिबोध है ।

कवि कहते हैं कि कोई व्यक्ति चाहे किसी भी देश या प्रांत का निवासी हो उन सबमें समानता पाई जाती है। एशिया यूरोप अमेरिका सभी जगह सूर्य अपनी किरणें समान रूप से बिखेरता है। कष्ट अथवा दुख में व्यक्ति के चेहरे पर पड़ने वाली रेखाएँ, झुर्रियां एक समान होती है । जोश में अथवा ताकत में बंधी मुठियाँ एक समान होती है और उनका लक्ष्य भी एक होता है। अर्थात दुनिया भर के शोषित लोगों की हालत एक जैसी है।
जन जन का चेहरा एक नामक कविता से कवि कहना चाहते हैं कि , जो अलग-अलग देशों में रहने के

बावजूद भी एक साथ मिलकर शोषण कर्ताओं के विरुद्ध आवाज उठाते हैं। जिसका एक ही लक्ष्य है शांति और बंधुत्व के साथ न्याय। कवि ने इसमें जनता की एकता और उनकी ताकत को दिखाया है।

16. घ) ii और iv सही हैं।
17. होरी किसान है।
    होरी गरीब किसान है।

नायक होरी गरीब किसान है।
गोदान का नायक होरी गरीब किसान है।